M: 9983140780/ 9549157392

भा.कृ.अनु.प-भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान

सेवर, भरतपुर (राजस्थान)-321303

डॉ अशोक कुमार शर्मा

प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक % 12-11-2024

अत्यधिक तापमान में सरसों की फसल के लिए पहली सिंचाई पर विशेष सावधानी
अनावश्यक सिंचाई से बचें एवं फसल में झुलसने के जोखिम को कम करें- डॉ. राय

अत्यधिक तापमान के कारण इस समय सरसों की फसल में पहली सिंचाई जल्द करने पर कालर रॉट नामक बीमारी का खतरा बढ़ गया है, जिससे फसल झुलसने की संभावना बन रही है। इस समस्या पर बात करते हुए भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किसानों को सलाह दी कि वे सरसों की फसल में पहली सिंचाई करते समय भूमि में नमी की स्थिति को ध्यान में रखें और केवल आवश्यकता अनुसार ही सिंचाई करें।

एडवाइजरी:

1. किसानों को यह सलाह दी जाती है कि भूमि की नमी को 4-5 सेंटीमीटर गहराई पर जांचने के बाद ही सिंचाई करें।
2. अत्यधिक सिंचाई से बचें, क्योंकि इससे फसल में कालर रॉट बीमारी की संभावना बढ़ जाती है।
3. जिन किसानों ने पहले ही अपनी सरसों की फसल में सिंचाई कर ली है और उनकी फसल में झुलसने के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, वे तुरंत कार्रवाई करें: स्ट्रेप्टोमाइसिन 200 पीपीएम (200 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) का एवं कार्बेन्डाजिम का 2 प्रतिशत घोल बनाकर पौधों पर छिड़काव करें। ध्यान रखें कि छिड़काव संक्रमित भाग पर अवश्य पहुँचे।

सभी किसान भाई अपनी फसल की सुरक्षा के लिए इन निर्देशों का पालन करें और उचित सावधानी बरतें। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) या स्थानीय कृषि अधिकारी से संपर्क करें।

जारीकर्ता: भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, सेवर, भरतपुर

(*अशोक कुमार शर्मा*)